भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 2588

जिसका उत्तर 16 मार्च, 2026 को दिया जाना है

'ज्योति' पहल का बोर्ड स्तरीय लैंगिक समानता पर प्रभाव

2588. **श्रीमती राजाथीः**

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने महिला कार्यपालकों के लिए 'ज्योति' नेतृत्व कार्यक्रम का विशेष रूप से विस्तार करने हेतु वर्ष 2026-27 के 3,635 करोड़ रुपये के बजट का उपयोग करने हेतु गतिविधियों की रूपरेखा तैयार की है;

(ख) फरवरी, 2026 तक 'ज्योति' नेतृत्व कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली महिला कार्यपालकों की संख्या कितनी है; और

(ग) क्या केंद्र सरकार महिला कार्यपालकों को बोर्ड स्तर की भूमिकाओं के लिए तैयार करने हेतु ज्योति महिला नेतृत्व पहल का अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में विस्तार करने का विचार रखती है?

उत्तर

कोयला और खान राज्य मंत्री
(श्री सतीश चन्द्र दुबे)

(क) : जी, नहीं। ज्योति नेतृत्व कार्यक्रम कोयला मंत्रालय के अंतर्गत एक सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की एक पहल है। सीआईएल अपने स्वयं के बजट से कार्यक्रम के लिए संसाधन आवंटित करता है।

(ख) : सीआईएल और उसकी सहायक कंपनियों की कुल 43 महिला अधिकारियों ने फरवरी 2026 तक इस कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है।

(ग) : ज्योति नेतृत्व कार्यक्रम सीआईएल की एक पहल है और इसका दायरा सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों की महिला कर्मचारियों तक सीमित है। तथापि, कोयला मंत्रालय के अधीन अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने भी नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए महिला कार्यपालकों के क्षमता विकास के लिए सक्रिय कदम उठाए हैं। विवरण निम्नानुसार हैं:

(i) एक संरचित नेतृत्व कार्रवाई जिसका शीर्षक ''भविष्य के लिए तैयार एलएलसीआईएल की महिला नेतृत्वकर्ताओं हेतु-विवेक शक्ति (बुद्धि और शक्ति)'' है, को विशिष्ट रूप से पांच माह के लिए ई5 और ई6 स्तर पर कार्यरत महिला कार्यपालकों के लिए प्रारंभ किया गया है। विवेक शक्ति कार्यक्रम में कक्षा के साथ-साथ आउटबाउंड प्रशिक्षण, कल्याण, 360-डिग्री फीडबैक आदि शामिल हैं, जिसके बाद व्यक्तिगत विकास योजनाएं तैयार की जाती हैं।

(ii) एनएलसीआईएल ने क्षमता निर्माण और संगठनात्मक नेतृत्व विकास के लिए आईआईएम, नागपुर और आईआईएम, कोलकाता के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें ई7, ई8 और ई9 स्तर पर कार्यरत कार्यपालकों को लक्षित किया गया है। इसके तहत पिछले दो वित्तीय वर्षों में 26 महिला कार्यपालकों को प्रशिक्षित किया गया था। इसके अलावा, एनएलसीआईएल ने सार्वजनिक उद्यमों के स्थायी सम्मेलन (स्कोप) के सहयोग से क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) द्वारा विकसित डीएकेएसएच (आकांक्षा, ज्ञान, उत्तराधिकार और सद्भाव का विकास) के पहले बैच के लिए ई8 स्तर पर एक महिला कार्यकारी की प्रतिनियुक्ति की है।

*****